पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 7 जनवरी 2019

संक्षिप्त समाचार

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में रविवार को साहित्य अकादमी के 'बहुभाषी रचना पाठ' कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण।

साहित्य अकादमी ने कराया 'बहुभाषी रचना पाठ'

नई दिल्ली। पुस्तक मेले में साहित्य अकादमी ने रविवार को लेखक मंच में 'बहुभाषी रचना-पाठ' का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता प्रख्यात ओड़िया कवि वासुदेव सुनानी ने की। इस कार्यक्रम में प्रख्यात कहानीकार अशोक मिश्र ने अपनी हिंदी कहानी 'हीरा नचनिया' का पाठ किया। ग्रामीण परिवेश को प्रस्तुत करती इस कहानी ने वहां की सामाजिक संरचना के मार्मिक पहलुओं को प्रदर्शित किया। प्रख्यात हिंदी कवयित्री सुशीला पुरी ने अपनी कुछ प्रेम कविताए प्रस्तुत कीं। युवा कवि गुरप्रीत वोडेवाल ने पंजाबी में अपनी कविताए प्रस्तुत की। सामाजिक परिस्थितियों पर तंज कसती हुई उनकी ये कविताए श्रोताओं को खूब पसंद आई। उर्दू के युवा शायर इरशाद खान सिकंदर ने अपनी कई ग़ज़लें व नज्में प्रस्तुत की। उनकी ग़ज़लों और नज्मों को श्रोताओं ने बेहद पसंद किया। आधुनिक समय में हमारी विभिन्न युवा मनोवृत्तियों पर उन्होंने बड़े पैने ढ़ग से अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के अंत में रचना पाठ की अध्यक्षता कर रहे वासुदेव सुनानी ने अपनी एक कहानी और एक कविता प्रस्तुत की।

पहले ही दिन हुआ पांच दर्जन से
अधिक पुस्तकों का लोकार्पण

नई दिल्ली (एसएनबी)। शनिवार से शुरू हुए दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के पहले ही दिन पांच दर्जन भर से भी ज्यादा पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। साहित्य अकादमी द्वारा मेले में एक साथ 50 नई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। पुस्तकों का लोकार्पण प्रख्यात लेखक एवं केंन्द्रीय हिंदी शिक्षण मंडल आगरा के उपाध्यक्ष कमल किशोर गोयनका ने किया। उधर एपीएन पब्लिकेशंस द्वारा दो किताबों और प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया।

इस मौके पर कमल किशोर गोयनका ने कहा कि साहित्य अकादमी की पुस्तकें साहित्य संसार का गौरव बढ़ाती हैं। वे न केवल अपने विषयों की विविधता में उत्कृष्ट होती हैं बल्कि बेहद सस्ती भी होती हैं। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में गोयनका जी का स्वागत पुस्तकें भेंट करके किया। प्रख्यात लेखिका मृदुला गर्ग ने कहा कि चेतना मनुष्य होने का पर्याय है। पृथ्वी पर जीवन और संस्कृति के विकास में महिला का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। इस अलावा मेले के पहले दिन एपी पब्लिकेशंस द्वारा नेशनल बुक ट्र (एनबीटी) के संपादक लालित्य ललित द्व लिखित 'पाण्डेय जी और दिल्लगी' एवं उ झुनझुनवाला की पुस्तक 'एक औरत डायरी से' का लोकार्पण किया गया। मौके पर लेखक के अलावा एपी पब्लिकेशंस के निदेशक निर्भय कुमार मौ थे। प्रसिद्ध साहित्यकार ममता कालिया 'एक औरत की डायरी से' पुस्तक के बारे अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि प्रसि रंगकर्मी उमा झुनझुनवाला ने डायरी के पृ 'एक औरत की डायरी से' पुस्तक में अंदाज में समेटा है। इसके साथ ही अ प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित सात पुस्त का एक साथ लोकर्पण सूचना प्रसारण सचि अमित खरे ने किया। इस मौके पर प्रका विभाग की डीजी साधना राउत और अतिरि महानिदेशक वसुधा गुप्ता भी मौजूद थीं।